११ अगस्त, २०१८

राजनीति, कार्य संस्कृति एवं एकात्म मानव दर्शन : १. प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह
आचार्य, हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ०प्र०

राष्ट्र निर्माण में हिन्दी साहित्य की भूमिका : २. डॉ. आरती सिंह
प्रभारी, हिन्दी विभाग
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

१२ अगस्त, २०१८

प्रकाश-बोध का संक्षिप्त इतिहास : १. प्रो. रविशंकर सिंह
आचार्य, भौतिक विज्ञान विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सामाजिक आन्दोलनों की भूमिका : २. डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
प्रभारी, इतिहास विभाग
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

: निवेदक :

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

Mob.: 7897475917, 9794299451
Web. : www.mpm.edu.in, Email : mpmpg5@gmail.com

सभी व्याख्यान पूर्वाह्न 11 बजे से होंगे।

जो हठि राखे धर्म को,
तिहिं राखै करतार ॥

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति

साप्ताहिक व्याख्यान-माला

07 से 13 अगस्त, 2018

सेवा में,
श्रीयुत् _____

_____

_____

उद्घाटन

07 अगस्त, मंगलवार, 2018
पूर्वाह्न 11.30 बजे

अध्यक्ष : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति
वीर बहादुर सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ०प्र०

मुख्य वक्ता : **प्रो. रजनीश शुक्ल**
सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद एवं
भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

मुख्य अतिथि : **प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह**
कुलपति
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ०प्र०

समारोप

13 अगस्त, सोमवार, 2018
पूर्वाह्न 11.30 बजे

अध्यक्ष : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति
वीर बहादुर सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ०प्र०

मुख्य वक्ता : **प्रो. हरिकेश सिंह**
कुलपति
जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार

मुख्य अतिथि : **प्रो. सुरेन्द्र दुबे**
कुलपति
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर, उ०प्र०

व्याख्यान कार्यक्रम

दिनांक/विषय	मुख्य वक्ता
०८ अगस्त, २०१८	
भारत : उभरती हुई महाशक्ति- एक विश्लेषण	१. प्रो. तेज प्रताप सिंह राजनीतिशास्त्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस, उ०प्र०
जी.एस.टी.-चुनौतियाँ एवं समस्याएँ	२. श्री मन्जेश्वर प्रभारी, अर्थशास्त्र विभाग महाराणा प्रताप पी०जी०कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
०९ अगस्त, २०१८	
फ्यूचर ऑफ एनर्जी बियांड कार्बन	१. प्रो. दिनेश कुमार सिंह पूर्व अध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
वैश्विक परिदृश्य में भारत की नाभिकीय नीति	२. डॉ. अभिषेक सिंह प्रभारी, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग महाराणा प्रताप पी०जी०कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
१० अगस्त, २०१८	
वैश्विक परिदृश्य में भारतीय शिक्षा	१. प्रो. शैलजा सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
दैनिक जीवन में रसायनों का प्रयोग	२. डॉ. राम सहाय आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

सप्त दिवसीय राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला उद्घाटन समारोह

17 से 23 अगस्त तक आयोजित होने वाला राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यान माला का उद्घाटन कार्यक्रम 17 अगस्त को सम्पन्न हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. विजय कृष्ण सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मुख्य वक्ता प्रो. हरिकेश सिंह, कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. राम अचल सिंह पूर्व कुलपति, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद ने की।

व्याख्यान माला के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित अतिथिगण

व्याख्यान-माला के दूसरे दिन

18 अगस्त को आई केयर इण्डिया लखनऊ के श्री यू.पी. त्रिपाठी ने 'जीवन कौशल' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की दूसरी वक्ता हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने मैथिली शरण गुप्त के काव्य में 'राष्ट्रीय चेतना' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने की।

व्याख्यान माला में श्री यू.पी. त्रिपाठी

व्याख्यान माला के तीसरे दिन

व्याख्यान माला में व्याख्यान देते डॉ. मानेन्द्र प्रताप सिंह

19 अगस्त को 'भारत की शिक्षानीति और महन्त दिग्विजयनाथ' विषय पर व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के पूर्व सदस्य सचिव डॉ. मानेन्द्र प्रताप सिंह ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट व्याख्यान भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा 'पर्यावरण' विषय पर विचार प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग की प्रवक्ता सुश्री प्रगति पाण्डेय ने किया।

व्याख्यान माला के चौथे दिन

व्याख्यान माला में व्याख्यान देते श्री मृत्युंजय कुमार सिंह

20 अगस्त को सहायक आयुक्त राज्य कर देवरिया के श्री मृत्युंजय कुमार सिंह ने 'जी.एस.टी. -एक परिचय' विषय पर उत्प्रेरक व्याख्यान पावर प्वाइंट के माध्यम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गया विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के आचार्य डॉ. महेश कुमार शरण, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के बी.एड. विभाग के आचार्य एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही सहित महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

व्याख्यान माला के पाँचवे दिन

व्याख्यान माला में व्याख्यान देते डॉ. लालमणि तिवारी

21 अगस्त को ''भारतीय संस्कृति: अवधारणा एवं महत्व'' विषय पर गीताप्रेस, गोरखपुर के प्रकाशन व्यवस्थापक, डॉ. लालमणि तिवारी ने अपना मूल्यवान व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षण प्रशिक्षण की उपयोगिता' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।